



विविध समाचार



सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक जारी रहेगा आंदोलन, काँजपा ने दी देशव्यापी प्रदर्शन की चेतावनी

नयी दिल्ली ११/१० (संवाददाता): काँकरोच जनता पार्टी (काँजपा) ने रविवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अपना आंदोलन तेज करने का संकल्प लिया। इस बीच, नयी दिल्ली में कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच कई इलाकों में विरोध प्रदर्शन हुए और करीब 200 लोगों को हिरासत में लिया गया। उच्चतम न्यायालय ने रविवार को निर्देश दिया कि शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा होने वाले लोगों को गैरकानूनी रूप से हिरासत में नहीं लिया जाना चाहिए। अदालत ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को भी कहा कि दिल्ली मेट्रो का सामान्य रूप से संचालन जारी रहे और कानून-व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इंटरनेट सेवाओं में कोई बाधा न आए। विशेष सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जाँयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने केंद्र सरकार को नोटिस भी जारी किया। अदालत में एक याचिका पर सुनवाई हो रही थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि काँजपा के विरोध प्रदर्शन के कारण दिल्ली में मेट्रो और ट्रेन सेवाओं पर पूरी तरह रोक नहीं लगाने के उच्चतम न्यायालय के निर्देश का उल्लंघन किया गया है। याचिका में इस उल्लंघन के लिए अदालत की अवमानना की कार्रवाई शुरू करने

की मांग की गई थी। दिन में इससे पहले, काँजपा के नेताओं अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को इस शर्त पर रिहा किया गया कि वे एक साल तक शांति भंग नहीं करेंगे। दास ने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि सरकार ने अपने ही नागरिकों के खिलाफ पूरे तंत्र को खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि तय जगह पर प्रदर्शन करने की मांग कर रहे लोगों पर प्रतिबंध लगाने के बजाय अधिकारी एक प्रतिनिधिमंडल को बातचीत के लिए बुला सकते थे। उन्होंने दावा किया कि हिरासत के दौरान दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बिना जस्टी नोटिस जारी किए उनके फोन ले लिए। दास ने कहा, हमें आशंका है कि अतीत में कार्यकर्ताओं से जुड़े ऐसे ही मामलों में लगाए गए आरोपों की तरह, उनके फोन भी हैक किए गए होंगे ताकि उनमें दस्तावेज या अन्य सामग्री डाली जा सके और बाद में उसे हमारे खिलाफ सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहा कि काँजपा का आंदोलन जारी है और प्रदर्शन केवल दिल्ली में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में होंगे। दास ने कहा, विरोध प्रदर्शन जारी हैं। दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश में प्रदर्शन होंगे। काँजपा के सह-संयोजक आशुतोष रांका ने कहा, जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते,

तब तक यह विरोध प्रदर्शन नहीं रुकेगा। रिहाई के समय लगाई गई शर्त का जिक्र करते हुए दास ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि एक साल तक शांति भंग नहीं होनी चाहिए। काँजपा नेता ने कहा, शांति भंग करने का काम नरेन्द्र मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार ने किया है। रांका ने कहा कि तय जगह पर विरोध प्रदर्शन करने से शांति भंग नहीं होती। रविवार को सभी मेट्रो स्टेशन खुले रहे और लुटियंस दिल्ली में यातायात पर कोई बड़ा प्रतिबंध नहीं लगाया गया। हालांकि, इस इलाके की ओर जाने वाली प्रमुख सड़कों पर भारी बैरिकेडिंग की गई थी। काँजपा के आह्वान पर रविवार को दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी रहा। नयी दिल्ली में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच करीब 200 छात्रों और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। ये लोग नारे लगाते हुए जंतर-मंतर की ओर मार्च कर रहे थे। इस दौरान कई प्रदर्शनकारियों को पुलिस बसों में घसीटकर ले जाते हुए देखा गया। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) और क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) समेत कई छात्र संगठनों के सदस्यों और काँजपा समर्थकों को हिरासत में लिया गया। मार्क्सवादी कज्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के



राज्यसभा सदस्य जॉन ब्रिटास और आइसा की अध्यक्ष नेहा बोरा को भी हिरासत में लिया गया। रविवार सुबह काँजपा के तीन नेताओं अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को रिहा कर दिया गया। तीनों को एक दिन पहले दिल्ली हवाई अड्डे पर हिरासत में लेने के बाद एहतियातन गिरफ्तार किया गया था। कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किए जाने के बाद उन्हें रिहा किया गया। काँजपा ने एक बयान में इन तीनों नेताओं की रिहाई को बड़ी कानूनी जीत बताया। काँजपा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, आखिरकार दिल्ली पुलिस को अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को रिहा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। काँकरोच कभी नहीं मरते। वहीं, दिल्ली पुलिस ने कहा कि एहतियातन गिरफ्तारियां सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए की गई थीं। तीनों नेताओं को रविवार को

दिल्ली कैंट स्थित कार्यकारी मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने कहा, एक साल तक शांति बनाए रखने और अच्छा व्यवहार करने की शर्त पर 50,000 रुपये का जमानती बॉण्ड दाखिल किया गया। इसके बाद अदालत ने उन्हें रिहा कर दिया। यूट्यूबर ध्रुव राठी ने रविवार को दावा किया कि 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले सादे कपड़ों में आए लोगों ने उनके घर से उनका ‘‘अपहरण’’ किया और अलग-अलग पुलिस थानों में ले गए।

राठी ने ‘एक्स’ पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा कि शनिवार सुबह करीब सात बजे, जब वह सो रहे थे, तब सादे कपड़ों में लगभग 20 लोग उनके घर में घुस आए। राठी ने कहा कि उन्हें अलग-अलग थानों में ले जाया गया और करीब 22 से 23 घंटे तक न तो अपने वकील से संपर्क करने

दिया गया और न ही फोन इस्तेमाल करने दिया गया। उन्होंने यह दावा भी किया कि उन्हें अपने शयनकक्ष से बाहर ले जाते समय चोट आई। राठी ने अपने अनुभव का जिक्र करते हुए कहा, मुझे हिरासत में नहीं लिया गया था, मेरा अपहरण किया गया था। उन्होंने उन्हें उनके घर से ले जाने के तरीके पर सवाल उठाए। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से एकत्र होने वाले लोगों को अवैध रूप से हिरासत में नहीं लिया जाना चाहिए। पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से यह सुनिश्चित करने को कहा कि दिल्ली मेट्रो ट्रेनों का संचालन सामान्य रूप से किया जाए और कानून-व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इंटरनेट सेवाएं बाधित न हों। उच्चतम न्यायालय ने मेहता से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि वकीलों, पत्रकारों और अन्य लोगों को उनके पेशेवर कर्तव्यों का पालन करने से न रोका जाए। पीठ ने कहा, ‘‘कानून के अनुसार इंटरनेट सेवाएं निर्बाध जारी रहनी चाहिए। इंटरनेट सेवाएं बाधित नहीं होनी चाहिए।’’ इसने कहा, ‘‘तय कानूनी प्रक्रिया के अलावा किसी भी तरह से किसी को भी गैरकानूनी तरीके से हिरासत में नहीं लिया जाना चाहिए। खास तौर पर उन लोगों के

मामले में, जो उस क्षेत्र के बाहर एकत्र होते हैं जहां भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू की गई है। दिल्ली पुलिस ने रविवार को एक महिला से जुड़े पुराने मामले में काँजपा के नेताओं को नए नोटिस भी जारी किए। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद ये नोटिस जारी किए गए। मामला एक महिला की तस्वीरों से छेड़छाड़ करके आपत्तिजनक तस्वीरें बनाने और उन्हें इंटरनेट पर प्रसारित करने के आरोपों से जुड़ा है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पहले महिला की याचिका पर काँजपा के नेताओं को नोटिस जारी किए थे और पुलिस को भी नोटिस जारी करने का निर्देश दिया था। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के विभिन्न नेताओं के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बंगला साहिब गुरुद्वारे में कथित व्यवधान और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान ‘‘भ्रामक’’ वीडियो प्रसारित करने का आरोप लगाया गया है। शनिवार को बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में शामिल होने के लिए गुरुद्वारे के परिसर में एकत्र हुए थे। हालांकि, पुलिस ने उनकी

कोशिश नाकाम कर दी और उन्हें हिरासत में ले लिया। डीएसजीएमसी की शिकायत में आरोप लगाया गया कि आम आदमी पार्टी से जुड़े कार्यकर्ता और समर्थक गुरुद्वारे के परिसर में घुस आए और वहां प्रदर्शन करने लगे। शिकायत के अनुसार, इससे अफरा-तफरी और अव्यवस्था पैदा हुई। इसमें यह आरोप भी लगाया गया कि उन्होंने राजनीतिक गतिविधियों के लिए ‘गुरु घर’ की पवित्रता का इस्तेमाल करने की कोशिश की। दिल्ली पुलिस ने रविवार को एक वीडियो जारी कर काँजपा के इस दावे का खंडन किया कि उसके नेता अभिजीत दीपके को हिरासत में रहने के दौरान उनकी दादी की मृत्यु की जानकारी नहीं दी गई थी। पुलिस ने दोहराया कि दीपके को संवेदनशील तरीके से उनकी दादी के निधन की जानकारी दी गई थी।

उन्हें अंतिम संस्कार के लिए अपने गृह नगर जाने में मदद की पेशकश भी की गई थी, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया था। यह वीडियो दीपके की मां के उस आरोप के बाद जारी किया गया, जिसमें उन्होंने दिल्ली पुलिस पर झूठ बोलने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि उनके बेटे को उसकी दादी के निधन की जानकारी नहीं दी गई। काँजपा ने भी यही दावा किया था।

इंडिगो की फ्लाइट में लगी आग, दिल्ली से चेन्नई जा रहे विमान की हैदराबाद में सुरक्षित लैंडिंग

नयी दिल्ली ११/१० (संवाददाता): दिल्ली से चेन्नई जा रही इंडिगो की एक ज़्लाइट में रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब विमान में सामान रखने की जगह से धुआं निकलने लगा और आग लग गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, एक खराब पावर बैंक की वजह से यह घटना हुई। इसके बाद विमान को हैदराबाद की ओर मोड़ दिया गया, जहां उसने सुरक्षित लैंडिंग की। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। इस घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसे विमान में मौजूद एक यात्री ने अपने मोबाइल फोन से रिकॉर्ड किया। वीडियो में कुछ यात्री अपने बैग से आग बुझाने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। विमान के केबिन ज़रू ने अग्निशामक यंत्रों की मदद से आग पर काबू पाया। लाइट



संख्या 6४6115 एयरबस 321-251ह विमान था। इसका दिल्ली से रवाना होने का तय समय दोपहर 1१:10 बजे था, जबकि विमान ने दोपहर 1३:0 बजे उड़ान भरी। इसे चेन्नई में शाम 4 बजे पहुंचना था, लेकिन घटना के बाद विमान को हैदराबाद की ओर मोड़ दिया गया। इंडिगो ने बयान जारी कर बताया कि 11 अक्टूबर 2026 को दिल्ली से चेन्नई जा रही ज़्लाइट 6४ 6115 में एक यात्री के निजी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से धुआं निकलता देखा गया था। केबिन ज़रू ने तुरंत कार्रवाई की और स्थिति पर काबू पा लिया। एयरलाइन के मुताबिक,

तय सुरक्षा नियमों के तहत पायलटों ने विमान को हैदराबाद की ओर मोड़ने का फैसला किया। विमान ने राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग की। इंडिगो ने बताया कि यात्रियों को आगे चेन्नई पहुंचाने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था की गई। एयरलाइन ने यात्रियों को हुई परेशानी के लिए खेद जताया और कहा कि उन्हें जलपान दिया जा रहा है तथा समय-समय पर जरूरी जानकारी दी जा रही है। कंपनी ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

लखनऊ ११/१० (संवाददाता): उज्जर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नवनियुक्त अध्यक्ष आराधना मिश्रा ‘मोना’ ने रविवार को शारदीय नवरात्र के पहले दिन औपचारिक रूप से पदभार संभाल लिया। हालांकि, इस दौरान लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में दो गुटों के बीच तीखी बहस और हाथापाई हुई। सूत्रों ने बताया कि एक गुट ने मोना के समर्थन में नारे लगाए जबकि दूसरे गुट ने पार्टी के पूर्व प्रदेशध्यक्ष अजय राय के समर्थन में नारेबाजी की।

पार्टी मुख्यालय में मौजूद एक नेता ने ‘पीटीआई-भाषा’ को बताया कि किसी कार्यकर्ता की बात से नाराज होकर पूर्व प्रदेशध्यक्ष अजय राय कार्यक्रम से बाहर चले गए थे हालांकि, राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी और कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद इमरान मसूद



की पहल पर उन्हें वापस कार्यालय लाया गया।

सूत्र ने बताया कि मिश्रा और राय के समर्थकों के बीच अशांति की असल वजह तुरंत साफ नहीं हो पाई लेकिन एक समय जब समर्थक आपस में हाथापाई कर रहे थे और एक-दूसरे को अपशब्द कह रहे थे, तो गुस्से में दिख रहे राय ने कार्यक्रम से बाहर चले जाने की धमकी दी। हालांकि, तिवारी और मसूद समेत वरिष्ठ

राय को समझाने का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ। कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने ‘एक्स’ पर बताया कि आराधना मिश्रा ने प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के मार्गदर्शन में नेहरू भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में पदभार संभाला। पोस्ट के मुताबिक, उन्होंने (आराधना मिश्रा ने) पार्टी नेतृत्व का आधार जताते हुए संगठन को मजबूत करने और अपने दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन करने का संकल्प लिया।

बाद में उन्हें मोना का गुलदस्ते के साथ स्वागत करते हुए देखा गया। नेता ने सोशल मीडिया पर मारपीट की खबरों को गलत बताते हुए कहा कि कार्यक्रम की सभी औपचारिकताएं पूरी की गईं और पार्टी नेताओं के बीच कोई मनमुटाव नहीं है। इस बीच, तिवारी और मसूद द्वारा अजय

राय को समझाने का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ। कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने ‘एक्स’ पर बताया कि आराधना मिश्रा ने प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के मार्गदर्शन में नेहरू भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में पदभार संभाला। पोस्ट के मुताबिक, उन्होंने (आराधना मिश्रा ने) पार्टी नेतृत्व का आधार जताते हुए संगठन को मजबूत करने और अपने दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन करने का संकल्प लिया।

आराधना मिश्रा ने पदभार संभालने के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा पर जोर दिया। उन्होंने मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ियों, चुनाव की निष्पक्षता और निर्वाचन आयोग की जवाबदेही

से जुड़े मुद्दे उठाए। नवनियुक्त प्रदेशध्यक्ष ने बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार और किसानों तथा मजदूरों की समस्याओं को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा।

कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ साप्ताहिक ‘चार्जशीट अभियान’ शुरू करने की घोषणा भी की। इस अभियान के तहत हर सप्ताह जनहित से जुड़े एक प्रमुख मुद्दे पर आरोपपत्र जारी कर सरकार से जवाब मांगा जाएगा। मिश्रा ने 2027 के उज्जर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं के लिहाज से महत्वपूर्ण बताया। कांग्रेस ने दो अक्टूबर को आराधना मिश्रा ‘मोना’ को प्रदेश अध्यक्ष और इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया था।

चिराग पासवान ने काँजपा के प्रदर्शन को बताया अराजकता फैलाने की कोशिश, केंद्र के कदमों को सराहा

नयी दिल्ली ११/१० (संवाददाता): केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को दावा किया कि एसआईआर प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर दिल्ली में काँजपा का विरोध प्रदर्शन देश में अराजकता फैलाने का प्रयास था। उन्होंने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए केंद्र सरकार की सराहना की। पासवान ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी पिछले कई दिन से इसी मुद्दे पर प्रदर्शन करके दिल्ली के लोगों के लिए परेशानी पैदा कर रही है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, हम विरोध प्रदर्शनों को जायज मानते हैं, जब लोग शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखते हैं। लेकिन

अगर असामाजिक तत्व अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए विरोध प्रदर्शन का बहाना बनाते हैं, तो उनकी पहचान करना जरूरी हो जाता है। मेरा मानना है कि कल का प्रदर्शन अराजकता फैलाने के इरादे से किया गया था। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार ने हालात को उचित तरीके से नियंत्रण में लिया। रविवार को काँजपा के आह्वान पर विरोध प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। दिल्ली में कर्नाट प्लेस के इनर सर्कल और राजीव चौक के जंतर-मंतर की ओर मार्च कर रहे कई प्रदर्शनकारियों को सुरक्षाकर्मियों ने हिरासत में ले लिया। शनिवार को भी दिल्ली में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजामों के बीच काँजपा के कई नेताओं

को हिरासत में लिया गया था। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर पहुंचने से रोक दिया था और अलग-अलग जगहों पर 7,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया था। काँजपा और विपक्षी दल मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। लोक जनशक्ति पार्टी (राज्यविकास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी ने कभी भी बल प्रयोग का समर्थन नहीं किया है, खासकर युवाओं के खिलाफ। हालांकि, उन्होंने कहा

कि दिल्ली पुलिस को और ज्यादा अव्यवस्था की आशंका को रोकने के लिए सज्जत रुख अपनाना पड़ा। पासवान ने कांग्रेस नेतृत्व पर चुनिंदा मुद्दों पर ही आलोचना करने और जेएनयू के प्रोफेसर रह चुके पार्टी के एक सांसद पर यौन उत्पीड़न के आरोपों पर चुप रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, एक सांसद की भी जिम्मेदारियां होती हैं और एक प्रोफेसर की भी। छात्र उन्हें शिक्षक और कई मामलों में सज्जमान के योग्य व्यक्ति मानते हैं। यौन अपराधों के जो आरोप सामने आए हैं, वे बेहद चिंताजनक हैं। इससे भी ज्यादा परेशान करने वाली बात कांग्रेस की चुनिंदा मुद्दों पर आलोचना करना है।

भाजपा अपना कार्यालय चुनाव आयोग में खोल ले, अखिलेश यादव की दो टूक, गिरफ्तार छात्रों की रिहाई की मांग की

नयी दिल्ली ११/१० (संवाददाता): दिल्ली में हाल ही में हुए प्रदर्शन और छात्रों पर हुई कार्रवाई को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। उन्होंने गिरफ्तार किए गए छात्रों और युवाओं को तुरंत रिहा करने की मांग की। साथ ही, उन्होंने चुनाव आयोग से इस्तीफा देने को कहा। अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग के कामकाज पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि आयोग बीजेपी के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा, कौन नहीं जानता कि इलेक्शन कमीशन बेईमान है? कौन नहीं



जानता कि इलेक्शन कमीशन झूठ बोलता है? कौन नहीं जानता कि इलेक्शन कमीशन बीजेपी के लिए काम कर रहा है? उन्होंने पूछा कि ऐसे मामलों में ज्या कार्रवाई हुई है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का काम मतदाता सूची में लोगों के नाम जोड़ना है, लेकिन आरोप है कि आयोग नाम

अखिलेश यादव ने उज्जर प्रदेश में कथित तौर पर गलत फॉर्म-7 भरे जाने के मामले पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि ऐसे मामलों में ज्या कार्रवाई हुई है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का काम मतदाता सूची में लोगों के नाम जोड़ना है, लेकिन आरोप है कि आयोग नाम

जोड़ने के बजाय वोटरों के नाम काट रहा है। दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान छात्रों के साथ कथित सज्जी को लेकर अखिलेश यादव ने नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों के साथ ऐसा व्यवहार करने वाले लोग हिटलर से सीखकर आए हैं। उन्होंने कहा कि हिटलर के सैनिक भी दूसरे राजनीतिक कार्यकर्ताओं के साथ इसी तरह का व्यवहार करते थे। अखिलेश ने प्रदर्शन के दौरान लड़कियों के साथ गलत व्यवहार किए जाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि इस मामले में शामिल बताए जा रहे लोग उज्जर प्रदेश के हैं।



विविध समाचार



लस्ट स्टोरीज 3 में सायरा बनकर छाई अदिति राव हैदरी

अदिति राव हैदरी इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई 'लस्ट स्टोरीज 3' को मिल रहे प्यार और सराहना का आनंद ले रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री ने अपने समय से काफी आगे का किरदार निभाया है। सायरा के किरदार में अदिति न सिर्फ वासना, चाहत और महिला सुख की भावनाओं को बखूबी पर्दे पर उतारती है, बल्कि पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती को भी भावनात्मक रूप से दर्शाती है। अभिनेत्री ने अपने वास्तविक जीवन की एक याद को साझा करते हुए बताया कि गजराज राव के साथ इस रिश्ते को पर्दे पर निभाना उनके लिए बेहद निजी और भावुक अनुभव था। फिल्म में गजराज राव उनके ऑन-स्क्रीन ससुर के किरदार में नजर आते हैं। अदिति बताती हैं, जो कुछ कामज पर लिखा गया था, वह बहुत खूबसूरत था। लेकिन जाहिर तौर पर जब निर्देशक अपनी समझ और नजरिए को उसमें जोड़ते हैं और आपके सामने गजराज राव जैसे अभिनेता होते हैं, तो मेरे लिए यह रिश्ता बहुत ही कोमल और भावुक बन गया। कहानी में जो चीज मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह उस परिवार की प्रातिष्ठित सोच थी, जहां ससुर इस तरह की के साथ खड़े होते हैं और उसके सहयोगी बनते हैं। उन्होंने कहा, क्योंकि हर कोई कहता है, 'ये तो हमारे घर की बच्ची है, ये तो हमारी बेटी है।' लेकिन 1987 के दौर में एक लड़की का अपने ससुर में एक ऐसे व्यक्ति को पाना, जिसके साथ वह अपने मन की बात साझा कर सके, मुझे लगता है कि यह

कई बहुत खूबसूरत है। जैसा कि मैं हमेशा कहती हूँ, कल ही यह बात मेरे मन में आई कि यह लगभग एक आदर्श प्रेम कहानी जैसी है, जहां इच्छाएं अधूरी हैं, लेकिन वे सभी बहुत सारे प्यार के साथ अधूरी हैं। वह आगे कहती हैं, एक लड़की का अपनी कला के जरिए अपना साहस ललाश पाना, मुझे यह भी बेहद अद्भुत लगता है। पति और ससुर, दोनों का इस सफर में उसका साथ देना बहुत खूबसूरत है, चाहे वह नृत्य हो, संगीत हो, लेखन हो, कविता हो या साहित्य। लड़कियों के लिए और हम सभी के लिए यही हमारी आज्ञा है। यह हमें अपने होने का एक ऐसा एहसास देता है, जो पूरी तरह हमारा है। अदिति ने कहा, मुझे जिंदगी में यह बहुत हमेशा बहुत खूबसूरत लगती है। इसलिए मुझे वह सीन बहुत पसंद आया, क्योंकि उसमें बहुत कोमलता थी। मेरे पिता का निधन उस समय हुआ जब उन्हें अभी और जीना चाहिए था। वह बीमार थे। इसलिए मेरे लिए माता-पिता और बच्चे के बीच का कोई भी सीन बहुत... बहुत ज्यादा मायने रखता है। वह मेरे लिए बेहद भावुक था। वह बहुत खूबसूरत था। इस बार अदिति राव हैदरी ने वासना, चाहत और महिला सुख की पूरी भावनात्मक दुनिया को छूते हुए महिला होने की एक सटीक तस्वीर पेश की है। सायरा के किरदार और अदिति के बीच एक साफ जुड़ाव नजर आता है और यही कनेक्शन इस किरदार को और भी प्रभावशाली बनाता है।



उदिति सिंह ने करण वाही से रिश्ते पर तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री उदिति सिंह इस समय रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' में नजर आ रही हैं। शो के दौरान उदिति ने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड और अभिनेता करण वाही के साथ रिलेशनशिप को लेकर खुलकर बात की। उदिति ने बताया कि कैसे 'कौविड-19' लॉकडाउन के दौरान उनका रिश्ता खराब होने लगा था। साथी

कंटेस्टेंट रकाउट से बात करते हुए उदिति ने कहा कि अलग होने के बाद उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पूरी तरह बदल गई। उदिति ने कहा, 'ब्रेकअप के बाद मेरे लिए यह एक तरह से बरदान साबित हुआ। क्योंकि उसके बाद मेरा पूरा करियर, मेरी पूरी लाइफ, सब कुछ बदल गया था।' उन्होंने आगे बताया कि लॉकडाउन के दौरान उन्होंने और उनके एक्स-पार्टनर ने एक गोल्डन रिट्रोवर डॉग को अडॉप्ट किया था, जिसका नाम 'नोआ' है। उदिति सिंह ने कहा, 'हमने लॉकडाउन में साथ में नोआ नाम का गोल्डन रिट्रोवर लिया था, तो उसी को लेकर हमारे बीच काफी झगड़े शुरू हो गए थे। उस वक़्त कौविड भी था, तो हम दोनों पर सफाई का काफी काम रहता था। मेरा सफाई करने का तरीका अलग था और उसका अलग। फिर वह इस बात को लेकर थोड़ा ऑफेंसिव भी बनता था और कहता था, 'तुम्हें नहीं आता।' क्योंकि वह उस को लेकर बहुत ज्यादा सोचता था, उसके लिए हर चीज ऐसी थी कि 'तुमसे नहीं हो पाएगा। तुम्हें ये-वो नहीं आता।' 'तुम नोआ को नहीं सभाल पाओगी।' तो मुझे लगता था कि मेरा पार्टनर बहुत लीमोनिटेट करने वाला है।' उदिति ने आगे कहा, 'ऐसा ही होता है, जब दो लोगों का एक होना नहीं लिखा होता है, तो बात-बात पर लड़ाई होती है और जब एक होना लिखा होता है, तब सब कुछ अच्छा होता है।' उदिति का यह बयान 'बिग बॉस 20' के घर में करण के साथ अपने रिश्ते को लेकर पहले की गई बातों के बाद आया है।

'सर्वगुण संपन्न' में कपूर के साथ रोमांटिक किरदार निभाते दिखेंगे इश्वाक सिंह

इन दिनों अपनी फिल्म 'गांधारी' को लेकर चर्चा में चल रहे इश्वाक सिंह ने 'पाताल लोक', 'रॉकेट बॉयज' और 'बर्लिन' जैसे प्रोजेक्ट्स में गंभीर और वगदर किरदार निभाए हैं। लेकिन अब अभिनेता एक अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। वह वाणी कपूर के साथ फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' में रोमांटिक किरदार निभाते दिखेंगे। दोनों की यह पहली ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी। फिल्म में काम करने के अनुभव को लेकर इश्वाक ने अमर उजाला डिजिटल को बताया, 'शूटिंग का अनुभव बहुत अच्छा रहा। यह एक बेहतरीन टीम थी, को-एक्टर बहुत अच्छे थे और डायरेक्टर सोनाली भी बहुत प्यारी हैं। उनके साथ काम करने में बहुत अच्छा समय बीता।' बता दें कि फिल्म की शूटिंग 2023 में पूरी हो गई थी, लेकिन रिलीज तब समय से टली हुई थी। इस बारे में पूछने पर अभिनेता ने कहा, 'देखिए, फिल्म कब रिलीज होगी, फिलहाल मेरे पास इससे ज्यादा जानकारी नहीं है। अब जब टीजर भी अनाउंस हो चुका है, मुझे पूरा यकीन है कि यह जल्द रिलीज होगी।'

वाणी के साथ काम करने का अनुभव किया साझा वाणी कपूर के साथ काम करने के अनुभव पर उन्होंने कहा, 'वाकई मैं, फिलहाल मुझे इस फिल्म के बारे में बोलने की इजाजत नहीं। पर हाँ, उनके साथ काम करने में काफी अच्छा लगा। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को हमारी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री पसंद आएगी।' क्या है 'सर्वगुण संपन्न' की कहानी? 'सर्वगुण संपन्न' की कहानी एक ऐसी लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी शवत एक मशहूर एडल्ट फिल्म स्टार से मिलती है। इस वजह से उसे सम्मान और शायदी से जुड़े कई तरह के सवालों का सामना करना पड़ता है। फिल्म मजाकिया अंदाज में महिलाओं पर समाज की उम्मीदों और अपनी पहचान के साथ जीने की बात करती है। फिल्म में रघुबीर यादव, बृजेंद्र काला, प्रवरक मेहता, गीता त्यागी, नामिक पौल और श्वेता फारसिया भी नजर आएंगे। फिल्म जी5 पर स्ट्रीम होगी। निर्देशन सोनाली रतन देशमुख ने किया है।

फिर साथ आ रहे अहान पांडे और अनीत पड्डा

साल 2025 की हिट रोमांटिक फिल्म 'सैयारा' से रातो-रात स्टार बने अहान पांडे और अनीत पड्डा फिर साथ नजर आनेवाली हैं। मोहित सूरि अपनी अगली निर्देशित फिल्म के लिए दोनों नए कलाकारों को एक बार फिर साथ खींच लाए हैं। आदित्य चोपड़ा द्वारा प्रड्यूस इस प्रोजेक्ट की शूटिंग बहुत जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसी के साथ अहान और अनीत की इस फिल्म को साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी हो रही है। मोहित सूरि की फिल्म की शूटिंग अबदुल में शुरू होगी। 'वरायटी इंडिया' की रिपोर्ट के मुताबिक, सूरि की अगली निर्देशित फिल्म की शूटिंग अबदुल के दूसरे सप्ताह में शुरू करने की योजना हो चुकी है। वहीं अहान पांडे और अनीत पड्डा की इस फिल्म को लेकर कहा जा रहा था कि मेकर्स इस फिल्म का नाम 'सतरंग' रखने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म प्रड्यूसर्स की ओर से टाइटल को लेकर अभी तक कोई कन्फर्मेशन नहीं है।



'तू है मेरी किरण' में पति जहीर संग रोमांस करती नजर आएंगी सोनाक्षी सिन्हा

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति अभिनेता जहीर इकबाल फिल्म 'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे। फिल्म का ऐलान मेकर्स ने कर दिया है। साथ ही फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी हुआ है। क्या खास है फिल्म के फर्स्ट लुक में? काफी वयस से सोनाक्षी सिन्हा ने सिल्वर स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। वहीं उनके पति जहीर इकबाल का भी कोई नया प्रोजेक्ट सामने नहीं आया था। मगर अब कपल बहुत जल्द फिल्म 'तू है मेरी किरण' में साथ अभिनय करता दिखाई देगा। फिल्म रोमांटिक थ्रिलर होगी। फिल्म के फर्स्ट लुक में सोनाक्षी एक टेबल पर लैपटॉप पर काम करती दिखाई दे रही हैं। वहीं उनके पास बैठे जहीर उन्हें घूर रहे हैं। सोशल मीडिया पर हो रही ट्रोलिंग फिल्म 'तू है मेरी किरण' का फर्स्ट लुक रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फिल्म की ट्रोलिंग शुरू हो गई। यूजर्स ने फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह के कमेंट्स किये। एक यूजर ने लिखा, 'सुपर फ्लॉप होगी मेरे शब्द याद रखना।' वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'क्या सच में आपके लगता है कि इस तरह की फिल्म कोई देखेगा?' वहीं अन्य यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'इंडी को इसकी जांच करना चाहिए, कोई किसी ऐसी फिल्म पर पैसा क्यों लगाएगा जिसका प्लॉट होना तय है।' पहले भी कर चुके हैं कपल साथ काम यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल फिल्म में साथ काम कर रहे हों। इससे पहले 2022 में रिलीज हुई फिल्म झलक एक्स एत में भी दोनों ने साथ अभिनय किया था। । फिल्म का निर्देशन सतराम रमानी ने किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी।



न रणबीर कपूर ने मुझे निकलवाया, न मैं नेपोटिज्म का शिकार हुआ, लक्ष्मण के रोल के लिए 2 बार रिजेक्शन

'यारिया' से अपना एक्टिंग डेब्यू करने वाले देव शर्मा अखिल का दुनिया में आने से पहले थिएटर और असिस्टेंट डायरेक्टर का अनुभव लेकर फिल्म मेकिंग और अखिल का बारीक्या सीख चुके थे। 'मजफकर नगर', 'जवशन वाराणसी', 'बैलुटी' जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके देव इन दिनों पर्दा में हैं अपनी ताजा-नराली फिल्म महाकाव्य 'श्री रामायण कथा' से। इस फिल्म में वे श्री राम की भूमिका में हैं। लक्ष्मण के रोल में दो बार रिजेक्ट हुआ, राम के रोल में चुना गया सोशल मीडिया पर यह खबर सुर्खियों में है कि देव शर्मा को 'रामायण' में लक्ष्मण के किरदार के लिए एक नहीं, बल्कि दो बार रिजेक्ट किया गया था। अपनी नई फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहे देव कहते हैं, 'हां, यह सच है। 'रामायण' में श्रीराम का किरदार मिलने से पहले मैं दो बार लक्ष्मण के लिए रिजेक्ट हुआ था। पहली बार (आदि पुरुष) में मेरा लुक टेस्ट अच्छा गया था, लेकिन

उस रोल के लिए 20-25 और लोग भी कॉशिश कर रहे थे। मुझे लगता है कि जिस कलाकार को चुना गया, उस दिन उसका अभिनय मुझसे थोड़ा बेहतर रहा होगा। दूसरी बार (रामायण) में भी बात कास्टिंग और शारीरिक बनावट के अनुपात की थी। अगर राम का किरदार निभाने वाला कलाकार 6 फीट 3 इंच का है और लक्ष्मण के लिए कोई 6 फीट 3 इंच का है, तो कद-काठी के अनुपात को देखते हुए उसे शुरुआत में ही रिजेक्ट किया जा सकता है, क्योंकि परंपरागत रूप से लक्ष्मण को कद में राम से छोटा दिखाया जाता है। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि रणबीर कपूर ने मुझे उस रोल से निकलवाया या मेरे साथ किसी तरह का नेपोटिज्म हुआ। पहले लगा रामायण मेरी किस्मत में नहीं उन्होंने आगे कहा, 'ऐसा कुछ नहीं था। कलाकारों के वयन के अपने मापदंड होते हैं और फैसला उनकी के आधार पर लिया जाता है। दो बार रिजेक्ट होने के बाद मुझे लगा कि शायद 'रामायण' मेरे नसीब में नहीं है और मैंने तय कर लिया कि अब यह नहीं करना। लेकिन फिर निर्देशक अधिकारी का फोन

आया। मुझे लगा कि वह फिर लक्ष्मण के लिए बुला रहे हैं, तो मैंने साफ कह दिया कि अब मैं यह किरदार नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा, 'मैं आपको लक्ष्मण के लिए नहीं, राम जी के लिए बुला रहा हूँ।' उस पल लगा कि हम इंसान भगवान से छोटी-छोटी चीजें मांगते हैं, जबकि हमारी किस्मत में शायद उससे कहीं बड़ी चीज लिखी होती है। जिस किरदार के लिए मैं दो बार रिजेक्ट हुआ, आखिरकार उसी 'रामायण' में मुझे श्रीराम बनने का मौका मिला। कृष्ण 3 में असिस्टेंट डायरेक्टर भी रहा अभिनव की दुनिया में आने से पहले देव शर्मा राकेश रोशन के साथ 'कृष्ण 3' में असिस्टेंट के तौर पर काम कर चुके हैं। वे बताते हैं, 'जब मैं असिस्टेंट के रूप में जुड़ा, तो विशाखापट्टनम से फेब्रुएशन करने और तेलुगु अच्छी होने का मुझे काफी फायदा मिला। फिल्म की शूटिंग साउथ के रामोजी राव स्टूडियो में हो रही थी और क्राउड मैनेजमेंट से लेकर लोकल लोगों से कम्युनिकेट करने तक मेरी भाषा की जानकारी बहुत काम आई। राकेश सर इस बात से काफी इम्प्रेस थे कि हमारा कम्युनिकेशन इतनी आसानी से हो जाता था।

मेरे लिए यह किसी सुपरवायर से कम नहीं था। राकेश सर की सबसे खास बात उनकी विनम्रता और जमीन से जुड़ा होना था। उनके सेट पर आर्टिस्ट और कू के बीच कोई फर्क नहीं किया जाता था। अपने भीतर के राम को जगाने की जरूरत है राम को लेकर की जाने वाली राजनीति पर वे कहते हैं, 'देखिए, जो लोग राम या रामायण जैसे विषयों का इस्तेमाल सिर्फ राजनीति के लिए कर रहे हैं, उनका भला नहीं होने वाला। किसी भी विषय को किस तरह लिखा जा रहा है, उसका कंटेंट क्या है, उसे बनाने वाले की नीयत क्या है और वे कहना क्या चाहते हैं, यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। बचपन से हम अपने माता-पिता से संस्कार और सभ्यता सीखते हैं। हमारी संस्कृति, धरोहर और इतिहास हमें बेहतर इंसान बनने की सीख देते हैं। श्रीराम का चरित्र भी इन्हीं मूल्यों की मिसाल है, चाहे नारी सम्मान हो, त्याग हो, भाईचारा हो या जिम्मेदारी को सम्झकर उसे निभाना। ऐसी फिल्मों के जरिए हमें इन्हीं मूल्यों की बात करनी चाहिए। राम हर मन में बसते हैं, लेकिन राणण भी हर मन में मौजूद हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि हमारी परंपरा, संस्कार और कर्म तब करते हैं कि हम अपने भीतर के राम को मजबूत करते हैं या रावण को हावी होने देते हैं। हमें अपने राम को बाहर खोजने की जरूरत नहीं, बल्कि अपने भीतर के राम को जगाने की जरूरत है।'



विविध समाचार



निर्माण श्रमिक पंजीकरण पोर्टल फिर शुरू पात्र श्रमिकों को मिलेगा योजनाओं का लाभ : अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने निर्माण श्रमिकों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए निर्माण श्रमिक पंजीकरण पोर्टल को दोबारा शुरू कर दिया है। श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि लंबे समय से लंबित श्रमिकों की मांग को ध्यान में रखते हुए हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड ने यह निर्णय लिया है, ताकि वास्तविक और पात्र श्रमिकों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य श्रमिक कल्याण योजनाओं का लाभ केवल पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना और व्यवस्था में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करना है। पूर्व में मिली शिकायतों और अनियमितताओं की जांच के बाद संशोद्धित एवं अधिक मजबूत व्यवस्था के साथ पंजीकरण प्रक्रिया फिर शुरू की गई है। अनिल विज ने कहा कि नए निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल खोल दिया गया है। साथ ही, सत्यापन और जांच में पात्र पाए गए श्रमिकों की सदस्यता नवीनीकरण प्रक्रिया भी पुनः शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि जिन मामलों में जांच के दौरान पंजीकरण अमान्य या अपात्र पाया गया था, उनके लिए क्षेत्रीय



अधिकारियों की शिकायत निवारण समिति गठित की गई है। प्रभावित श्रमिक निर्धारित प्रक्रिया के तहत समिति के समक्ष अपनी आपत्ति या शिकायत दर्ज करा सकेंगे, जिस पर निष्पक्ष रूप से विचार किया जाएगा। श्रम मंत्री ने कहा कि श्रमिक राज्य के विकास की रीढ़ हैं और उनकी मेहनत से आधारभूत ढांचे तथा विकास परियोजनाओं को गति मिलती है। इसलिए सरकार उनकी सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सहायता और अन्य कल्याणकारी सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने सभी पात्र निर्माण श्रमिकों से अपील की कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना पंजीकरण या नवीनीकरण करवाकर सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र श्रमिक योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे और हर सुविधा सही व्यक्ति तक पहुंचे।

महिला संघ एडवा ने हिमाचल प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा पर चिंता व्यक्त की

शिमला। अखिल भारतीय लोकतांत्रिक महिला संघ (एडवा) की हिमाचल प्रदेश इकाई ने राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। संघ ने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ चुकी है, जिससे महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गये हैं। संघ की राज्य अध्यक्ष रंजना जारेट और राज्य सचिव फाल्मा चौहान ने गुरुवार को एक साझा बयान जारी कर राज्य के अलग-अलग हिस्सों से सामने आयी महिलाओं की हत्या की हालिया घटनाओं की कड़े शब्दों में निंदा की।

दोनों ने शिमला जिले में एक ही हफ्ते के भीतर हुई दो अलग-अलग घटनाओं का जिक्र किया। इनमें रोहड़ू में एक महिला की गोली मारकर की गयी हत्या और एक बुजुर्ग महिला का गला घोटने का मामला शामिल है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं ने महिलाओं के मन में डर और असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। महिला संगठन ने मंडी, कांगड़ा, सरकाघाट, कुल्लू और सैज सहित विभिन्न जिलों में महिलाओं के खिलाफ हुई हिंसा के हालिया मामलों का भी हवाला दिया और कहा कि इन दुखद घटनाओं के जखम अभी भी लोगों के दिलों में ताजा हैं। संघ के अनुसार,

ऐसे अपराधों का बार-बार होना एक चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है, जिस पर सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। महिला संगठन की नेताओं ने आरोप लगाया कि महिला कल्याण को लेकर राज्य सरकार के दावे जमीनी स्तर पर सुरक्षा देने में नाकाम साबित हुए हैं। हिमाचल प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से हत्या, यौन उत्पीड़न, अपहरण और प्रताड़ना के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, जो मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर कमियों को उजागर करते हैं। आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए संघ ने दावा किया कि साल 2026 में अब तक राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 478 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें से 49 मामले नाबालिगों के साथ यौन अपराधों से जुड़े यौन अपराधों से बाल संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत दर्ज किए गए हैं। संगठन ने यह भी दावा किया कि इस अवधि के दौरान छेड़छाड़ के 117 और महिलाओं के अपहरण के लगभग 110 मामले भी दर्ज किए गए हैं। संघ ने आरोप लगाया कि घरेलू हिंसा और क्रूरता के कई मामले अक्सर दर्ज ही नहीं हो पाते या स्थानीय स्तर पर ही सुलझा लिए जाते हैं, जिससे पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाता और इस तरह की हिंसा की असली तस्वीर सामने नहीं आ पाती।

महिलाओं के खिलाफ अपराधों में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए संघ ने राज्य सरकार से मामलों की तेजी से जांच करने और आरोपियों को कड़ी सजा सुनिश्चित करने की अपील की है। संगठन ने सरकार से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, पुलिस प्रशासन को बेहतर बनाने और राज्य भर में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने खुफिया जानकारी पर आधारित एक बड़े ऑपरेशन में प्रतिबंधित खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) से जुड़े दो वांटेड सदस्यों को मलेशिया से डिपोर्ट कराया है। पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों और रॉयल मलेशिया पुलिस (आरएमपी) के सहयोग से यह सफलता हासिल की। पंजाब के डीजीपी ने यह जानकारी दी। पंजाब डीजीपी ने बताया कि आरोपियों को पंजाब पुलिस ने नई दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद गिरफ्तार किया और आगे की जांच के लिए राज्य में ले आई। डीजीपी के अनुसार, आरोपियों की पहचान अंबाला के गुरविंदर सिंह और पटियाला के मंजीत सिंह के रूप में हुई। ये दोनों आरोपी मलेशिया में मौजूद केजेडएफ-समर्थित टेरर मॉड्यूल के अहम सदस्य थे। यह मॉड्यूल पंजाब में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर लाइनों समेत रेलवे के अहम इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने में शामिल था। इससे पहले, पंजाब पुलिस ने उस टेरर मॉड्यूल का पर्दाफाश किया था, जो 23 जनवरी को फतेहगढ़ साहिब के सिरहिंद के पास रेलवे फ्रेट कॉरिडोर लाइन पर हुए आईईडी ब्लास्ट और 27 अप्रैल को पटियाला जिले के शंभू के पास उसी कॉरिडोर

पर धमाके की कोशिश के लिए जिम्मेदार था। जांच के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए थे, जिसमें आरपीजी लॉन्चर, आईईडी, आरडीएक्स, हैंड ग्रेनेड और गोला-बारूद के साथ हाई-एंड पिस्तौलें शामिल थीं। इस अंतरराष्ट्रीय साजिश की आगे की जांच में मलेशिया से काम कर रहे केजेडएफ हैंडलर्स और फंडिंग ऑपरेटर की भूमिका का पता चला। डिपोर्ट किए गए आरोपी पंजाब में केजेडएफ ऑपरेटिव्स तक ऑफशोर खातों के जरिए फंड पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहे थे, जिससे राज्य में आतंकी हमलों को अंजाम देने और शांति व कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की योजनाओं को बढ़ावा मिल रहा था। डीजीपी ने बताया कि दोनों आरोपियों को पटियाला की अदालत में पेश किया गया और आगे की पूछताछ के लिए उन्हें पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया। इस बड़े नेटवर्क का पता लगाने और साजिश में शामिल सभी लोगों की पहचान करने के लिए जांच जारी है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस आतंकवादी के नेटवर्क को खत्म करने, फंडिंग रोकने और पंजाब की शांति, सुरक्षा व सद्भाव बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

लगभग 100 वर्षों बाद पुनर्जीवित हुआ ऐतिहासिक कादियां-ब्यास रेल परियोजना : श्री रवनीत सिंह बिट्टू

चंडीगढ़/गुरदासपुर। पंजाब के माझा क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में भारत सरकार ने लंबे समय से लंबित कादियांदुब्यास नई रेल लाइन परियोजना को पुनर्जीवित कर दिया है। आज रेल भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी तथा माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पंजाब में रेलवे अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए केंद्र सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है। कादियां ब्यास रेल लिंक के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने बताया कि प्रस्तावित रेल लाइन गुरदासपुर जिले के कादियां को अमृतसर जिले के ब्यास से जोड़ेगी। लगभग 39.68 किलोमीटर लंबी इस ब्रॉडगेज रेल लाइन की अनुमानित लागत करीब ६1,400 करोड़ है। इस परियोजना का क्रियान्वयन उत्तरी रेलवे द्वारा किया जाएगा। प्रस्तावित रेल मार्ग कादियां, धपाई, घुमान, बुटाला, सठियाला और ब्यास जैसे महत्वपूर्ण कस्बों एवं गांवों से होकर गुजरेगा। इससे माझा क्षेत्र के अनेक इलाकों को पहली बार रेल नेटवर्क से सीधा जुड़ाव मिलेगा तथा स्थानीय लोगों की आवाजाही और परिवहन सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। परियोजना के अंतर्गत अत्याधुनिक रेलवे अवसंरचना विकसित की

जाएगी, जिसमें घुमान और बुटाला में दो क्रॉसिंग स्टेशन, 11 प्रमुख पुल, 121 लघु पुल, 54 रोड अंडर ब्रिज, आधुनिक सिग्नलिंग एवं दूरसंचार प्रणाली तथा भारत की स्वदेशी ट्रेन टक्कर-रोधी प्रणाली 'क्वच' का प्रावधान शामिल है। परियोजना के इतिहास का उल्लेख करते हुए श्री बिट्टू ने कहा कि कादियांदुब्यास रेल लिंक की परिकल्पना ब्रिटिश काल में की गई थी। वर्ष 1928दृ29 में तत्कालीन नॉर्थ-वेस्टर्न रेलवे द्वारा इस परियोजना को स्वीकृति दी गई थी तथा 1930 के दशक के प्रारंभ तक निर्माण कार्य का एक बड़ा हिस्सा पूरा भी कर लिया गया था। हालांकि बाद में बदलती परिस्थितियों और विकास प्राथमिकताओं के कारण यह परियोजना बंद कर दी गई। उन्होंने बताया कि परियोजना के रणनीतिक एवं विकासात्मक महत्व को देखते हुए इसे बाद में सामाजिक रूप से वांछनीय रेल संपर्क परियोजना के रूप में पुनर्जीवित किया गया तथा वर्ष 2010दृ11 के पूरक रेल बजट में शामिल किया गया। विभिन्न कारणों और प्रक्रियागत बाधाओं के चलते परियोजना आगे नहीं बढ़ सकी, लेकिन अब इसे पुनः गति प्रदान की गई है तथा लगभग ६1,400 करोड़ की संशोधित विस्तृत अनुमान रिपोर्ट तैयार की गई है। श्री बिट्टू ने कहा कि यह रेल लाइन केवल क्षेत्रीय संपर्क को ही मजबूत नहीं करेगी, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में अमृतसरदृपटानकोट रेलखंड के वैकल्पिक मार्ग के रूप में भी कार्य करेगी,

सीएम मान की फर्जी वायरल वीडियो पूरी तरह से फेक, 1191 एंग्लों से की गई जांच

चंडीगढ़। वीरवार को वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा और प्रवक्ता बलतेज पन्नु ने प्रेस कांफ्रेंस में कथित वीडियो को लेकर दावा किया कि 1191 अलग-अलग एंगल से सीएम की बॉडी का विश्लेषण किया गया है, जिसमें चेहरे, कद-काठी और चाल-ढाल तक का अध्ययन शामिल है। आप नेताओं के अनुसार, रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि वीडियो में सीएम भगवंत मान नहीं हैं, बल्कि किसी अभिनेता का इस्तेमाल कर वीडियो तैयार किया गया है। आप नेताओं ने कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट के अनुसार वायरल वीडियो में दिख रहा व्यक्ति मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान नहीं है। जांच के दौरान पता चला कि वीडियो में दिख रहे व्यक्ति की लंबाई करीब 5 फुट 10



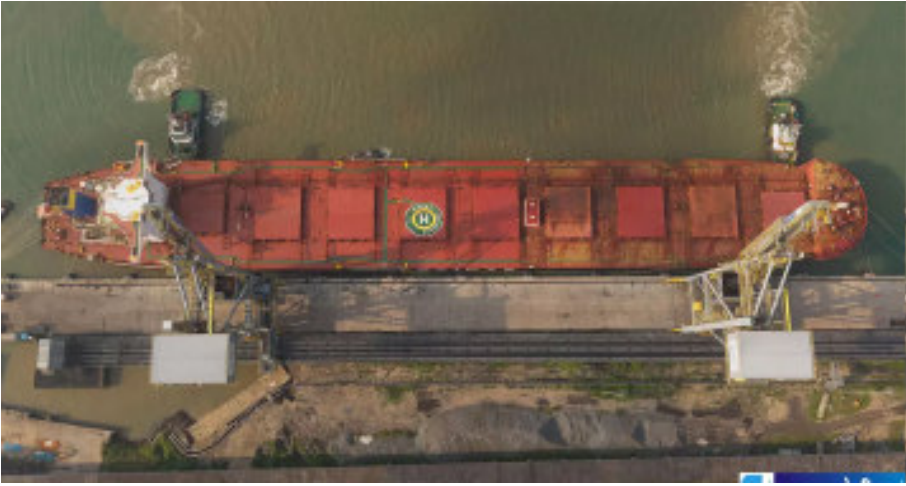
इंच आंकी गई है, जबकि मान की लंबाई 5 फुट 8 इंच है जिसमें दोनों के बीच स्पष्ट अंतर मिला। साइड और बैक प्रोफाइल भी मुख्यमंत्री से मेल नहीं खाती। शरीर की बनावट, कंधों और पोशचर में भी बड़ा अंतर मिला।



देश के चार बंदरगाह बने मेगा पोर्ट, पारादीप को मिली बड़ी पहचान

भुवनेश्वर ११/१० (संवाददाता): केंद्र सरकार ने पारादीप पोर्ट को ‘मेगा पोर्ट’ का दर्जा दिया है। इंडियन पोर्ट्स एक्ट, 2025 के तहत निर्धारित मानदंडों को पूरा करने के बाद यह दर्जा दिया गया है। इसके साथ ही पारादीप भारत के पूर्वी समुद्री तट पर ‘मेगा पोर्ट’ के रूप में वर्गीकृत होने वाला एकमात्र बंदरगाह बन गया है। बंदरगाह क्षेत्र में यह फैसला पारादीप की बढ़ती कार्गो क्षमता और समुद्री व्यापार में उसकी भूमिका के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पोर्ट्स, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय ने 25 सितंबर 2026 को इस संबंध में अधिसूचना जारी की। इंडियन पोर्ट्स एक्ट, 2025 की धारा 73 के तहत बंदरगाहों के वर्गीकरण के लिए निर्धारित संरचनात्मक और परिचालन मानदंडों के आधार पर यह फैसला लिया गया है। पारादीप के साथ देश के तीन अन्य बंदरगाहों को भी ‘मेगा पोर्ट’ की श्रेणी में रखा गया है। सरकार की अधिसूचना के

मुताबिक पारादीप पोर्ट के अलावा दीनदयाल पोर्ट यानी कांडला, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट यानी न्हावा शेवा और मुंद्रा पोर्ट को ‘मेगा पोर्ट’ के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इनमें पारादीप, दीनदयाल और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्रमुख बंदरगाहों की श्रेणी में आते हैं, जबकि मुंद्रा को प्रमुख बंदरगाह के अलावा अन्य बंदरगाह की श्रेणी में रखते हुए ‘मेगा पोर्ट’ का दर्जा दिया गया है। पारादीप पोर्ट ओडिशा में बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित है और भारत के पूर्वी समुद्री व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र है। यह बंदरगाह खनिज, कोयला, लौह अयस्क, पेट्रोलियम उत्पाद और दूसरे प्रकार के कार्गो की आवाजाही में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। देश के पूर्वी और मध्य हिस्सों में स्थित औद्योगिक क्षेत्रों के लिए इसकी भौगोलिक स्थिति भी इसे महत्वपूर्ण बनाती है। ‘मेगा पोर्ट’ का नया दर्जा ऐसे समय मिला है जब भारत अपनी बंदरगाह क्षमता बढ़ाने,



लॉजिस्टिक्स लागत घटाने और समुद्री व्यापार को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने पर जोर दे रहा है। बड़े बंदरगाहों पर बढ़ती कार्गो आवाजाही को देखते हुए सरकार बंदरगाहों की क्षमता, कनेक्टिविटी और तकनीकी सुविधाओं के विस्तार पर काम कर रही है। इंडियन पोर्ट्स एक्ट, 2025 ने देश के बंदरगाह क्षेत्र के लिए नया कानूनी ढांचा उपलब्ध कराया है। इसके तहत बंदरगाहों के प्रशासन, सुरक्षा, विकास और संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को व्यवस्थित

करने के साथ उनके वर्गीकरण के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। धारा 73 के तहत तय मानकों के आधार पर सरकार बंदरगाहों को उनकी संरचनात्मक और परिचालन क्षमता के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में वर्गीकृत कर सकती है। दृष्टांत के रूप में कोरापुट में गांजा तस्करी का भंडाफोड़ पारादीप का ‘मेगा पोर्ट’ बनना ओडिशा के समुद्री बुनियादी ढांचे के लिए भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। राज्य में खनिज और औद्योगिक

गतिविधियों की बड़ी मौजूदगी के कारण पारादीप लंबे समय से समुद्री माल परिवहन का प्रमुख केंद्र रहा है। सड़क और रेल संपर्क के जरिए यह बंदरगाह कई औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है। बंदरगाह की क्षमता में पिछले वर्षों के दौरान लगातार विस्तार किया गया है। कार्गो हैंडलिंग को तेज करने, जहाजों के आवागमन को सुगम बनाने और टर्मिनल सुविधाओं में सुधार के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर काम हुआ है। बड़े जहाजों को संभालने की

क्षमता और आधुनिक कार्गो हैंडलिंग सुविधाएं किसी भी बड़े बंदरगाह के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पश्चिमी तट पर दीनदयाल पोर्ट, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट और मुंद्रा पोर्ट पहले से देश के समुद्री व्यापार के बड़े केंद्रों में शामिल हैं। दीनदयाल पोर्ट गुजरात के कच्छ क्षेत्र में स्थित है और विभिन्न प्रकार के कार्गो को संभालता है। वहीं महाराष्ट्र स्थित जवाहरलाल नेहरू पोर्ट कंटेनर कार्गो के लिए देश के प्रमुख केंद्रों में से एक है। गुजरात का मुंद्रा पोर्ट निजी क्षेत्र द्वारा संचालित देश के सबसे बड़े वाणिज्यिक बंदरगाहों में शामिल है। नई अधिसूचना में इसे प्रमुख बंदरगाह के अलावा अन्य पोर्ट की श्रेणी में रखते हुए ‘मेगा पोर्ट’ के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इस तरह सरकार की नई व्यवस्था में प्रमुख और गैर-प्रमुख दोनों श्रेणियों के बंदरगाह ‘मेगा पोर्ट’ का दर्जा हासिल कर सकते हैं, बशर्ते वे निर्धारित मानदंडों को

पूरा करें। चार बंदरगाहों को एक साथ ‘मेगा पोर्ट’ के रूप में वर्गीकृत किया जाना भारत के समुद्री बुनियादी ढांचे में बड़े कार्गो केंद्रों की भूमिका को रेखांकित करता है। पश्चिमी तट पर तीन मेगा पोर्ट होने के मुकाबले पारादीप पूर्वी तट का एकमात्र बंदरगाह है जिसे यह दर्जा मिला है। पारादीप की यह स्थिति पूर्वी भारत में उद्योगों और व्यापारिक गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकती है। ओडिशा के अलावा झारखंड, छत्तीसगढ़ और आसपास के खनिज तथा औद्योगिक क्षेत्रों से आने वाले माल के आयात-निर्यात के लिए पूर्वी तट के बंदरगाह अहम भूमिका निभाते हैं। बेहतर बंदरगाह क्षमता से माल की आवाजाही और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। भारत सरकार समुद्री क्षेत्र के विकास के लिए बंदरगाह आधारित औद्योगिकीकरण, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, डिजिटलीकरण और क्षमता विस्तार पर जोर दे

रही है। बंदरगाहों को रेल, सड़क और अंतर्देशीय जलमार्गों से बेहतर तरीके से जोड़ने का उद्देश्य माल परिवहन को अधिक कुशल बनाना है। पारादीप पोर्ट को मिला नया दर्जा केवल नाम में बदलाव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बंदरगाह की संरचनात्मक और परिचालन क्षमता के आधार पर किए गए वर्गीकरण को दर्शाता है। इसके साथ पारादीप देश के उन चुनिंदा बंदरगाहों में शामिल हो गया है जिन्हें इंडियन पोर्ट्स एक्ट, 2025 के तहत ‘मेगा पोर्ट’ की श्रेणी में रखा गया है। 25 सितंबर 2026 को जारी अधिसूचना के बाद अब देश में पारादीप, दीनदयाल, जवाहरलाल नेहरू और मुंद्रा चार बंदरगाह ‘मेगा पोर्ट’ के रूप में वर्गीकृत हैं। इनमें पारादीप की खासियत यह है कि वह भारत के पूर्वी तट का अकेला ‘मेगा पोर्ट’ है। यह दर्जा आने वाले वर्षों में पूर्वी भारत के समुद्री व्यापार और बंदरगाह आधारित विकास में पारादीप की भूमिका को और प्रमुख बना सकता है।

कोरापुट में गांजा तस्करी का भंडाफोड़



कोरापुट ११/१० (संवाददाता): ओडिशा पुलिस ने कोरापुट से 128.3 किलोग्राम गांजा जप्त किया है, जब इसकी खेप आंध्र प्रदेश ले जाई जा रही थी और इस सिलसिले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है, एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, एक पुलिस टीम ने शुक्रवार को सुनकी पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत सुनकी घाटी में तंगिनी चक के पास एक वाहन को रोका और विस्तृत तलाशी ली। कोरापुट

के एसपी रोहित वर्मा ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान, पुलिस ने वाहन के अंदर एक गुप्त कक्ष का पता लगाया और संदिग्ध गांजा वाले कई पैकेट बरामद किए। उन्होंने कहा कि यह जस्टी सुनकी घाटी गलियारे के माध्यम से मादक पदार्थों के परिवहन के खिलाफ गहन जांच और निगरानी के हिस्से के रूप में की गई थी। वर्मा ने कहा, हमारी टीम ने मालवाहक वाहन को रोका और उसकी तलाशी ली। टीम ने एक गुप्त कक्ष का पता लगाया, जिसमें से लगभग

128.3 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। जप्त किए गए सामान की कीमत अभी पता नहीं चल पाई है। अधिकारी ने बताया कि जस्टी के सिलसिले में वाहन के चालक और सहायक को हिरासत में लिया गया है। जस्टी और उसके बाद की कार्यवाही पोर्टांगी तहसीलदार-सह-कार्यकारी मजिस्ट्रेट देबेंद्र धरुआ की उपस्थिति में की गई। अधिकारी ने कहा कि खेप के स्रोत, उसके गंतव्य और उसके परिवहन में शामिल नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

बालेश्वर में तीन नदियों ने बढ़ाई मुश्किलें

बालेश्वर ११/१० (संवाददाता): ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद बुधबलंगा नदी खतरे के निशान को पार कर गई और सुवर्णरेखा नदी अपने चेतावनी स्तर से ऊपर पहुंच गई, जिससे बालेश्वर जिले में बाढ़ की स्थिति बिगड़ गई। बुधबलंगा अपने खतरे के निशान 8.13 मीटर से ऊपर 8.50 मीटर पर बह रही है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। राजघाट में सुवर्णरेखा चेतावनी स्तर के मुकाबले 10.15 मीटर पर पहुंच गई, जबकि इसका खतरे का निशान 10.36 मीटर है। नदी के उच्च स्तर पर बहने के कारण अधिकारी सतर्क रहे। जलका नदी भी उफान पर है, जिससे जिले में बाढ़ की चिंता बढ़ गई है। तीन नदियों में बढ़ते जल स्तर ने छह जिलों को – बालेश्वर सदर, रेमुना, बस्ता, बलिया पाल, जलेश्वर और भोगराई को प्रभावित किया है। नदी के स्तर में वृद्धि का कारण ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा है।

भुवनेश्वर ११/१० (संवाददाता): ओडिशा विजिलेंस के अधिकारियों ने शुक्रवार को जाजपुर में एक जूनियर रेवेन्यू असिस्टेंट (जेआरए) को जमीन खरीद की मंजूरी वाली फाइल प्रोसेस करने के लिए एक आवेदक से रिश्तत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी सरकारी कर्मचारी की पहचान प्रसन्ना कुमार साहनी के तौर पर हुई है, जो अभी जाजपुर सब-कलेक्टर के ऑफिस में तैनात हैं। विजिलेंस अधिकारियों के मुताबिक,

शिकायतकर्ता ने 29 नवंबर, 2025 को अपनी मां के नाम पर अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के मालिक से 16 डेसिमल जमीन खरीदने के लिए कानूनी मंजूरी की अर्जी दी थी। राज्य सरकार के नियमों के अनुसार, एससी या एसटी समुदायों के लोगों की जमीन खरीदने से पहले संबंधित राजस्व अधिकारी से मंजूरी लेना जरूरी है। आरोप है कि साहनी ने बिना किसी ठोस वजह के फाइल प्रोसेस करने में देरी की। बार-बार कहने और फॉलो-अप

करने के बाद, उन्होंने जमीन के हर डेसिमल के लिए 3,000 रुपये के हिसाब से कुल 48,000 रुपये की रिश्तत मांगी। जब आवेदक ने इतनी रकम का इंतजाम करने में असमर्थता जताई, तो साहनी ने अपनी मांग घटाकर 40,000 रुपये कर दी। लगातार की जा रही इस मांग से परेशान होकर, आवेदक ने भ्रष्टाचार-रोधी एजेंसी में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, विजिलेंस ने 25 सितंबर को एक जाल बिछाया।

साहनी को उनके ऑफिस में 40,000 रुपये नकद मांगते और लेते हुए पकड़ा गया। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में रिश्तत की पूरी रकम बरामद कर जप्त कर ली। उनके केमिकल हैंड-वॉश टेस्ट का नतीजा भी पॉजिटिव आया। ट्रैप के बाद, विजिलेंस टीमों ने साहनी के ऑफिस चैंबर और जाजपुर सदर पुलिस इलाके में गोबिंदपुर स्थित उनके घर पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया।

आरएसपी द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत शुरू की गई स्वच्छता गतिविधियों की श्रृंखला

राउरकेला ११/१० (संवाददाता): राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) में %स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत कई जगहों पर सफाई और जागरूकता से जुड़ी गतिविधियां की गईं। इन गतिविधियों का मकसद स्वच्छता, साफ-सफाई और सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश देना था। राउरकेला के इस्पात जनरल हॉस्पिटल में बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें अस्पताल परिसर के साथ-साथ आस-पास के इलाकों को भी शामिल किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आईजीएच के मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं), डॉ. जे. के. आचार्य और अन्य वरिष्ठ डॉक्टरों व अधिकारियों की मौजूदगी में स्वच्छता शपथ के साथ हुई। प्रतिभागियों ने आईजीएच परिसर और आस-



पास के इलाकों में मिलकर सफाई की। इन गतिविधियों में कूड़ा-कचरा हटाने, सामान्य स्वच्छता में सुधार करने और स्वास्थ्य सेवा के माहौल को साफ-सुथरा और स्वच्छ रखने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने पर ध्यान दिया गया। टाउनशिप में, सेक्टर-2 बस स्टैंड और सेक्टर-2 दुर्गा पूजा मैदान में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें टाउनशिप के लगभग 100 लोगों ने स्वेच्छा से भाग लिया। प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से पहचाने गए क्षेत्रों को

साफ किया और संचित कचरे को हटाने में मदद की, एक स्वच्छ और अधिक स्वच्छ सार्वजनिक स्थान में योगदान दिया। स्वच्छता के महत्व, उचित अपशिष्ट निपटान और स्वच्छ वातावरण को बनाए रखने में व्यक्तिगत जिम्मेदारी के बारे में जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम के दौरान एक नुक्कड़ नाटक का भी मंचन किया गया। गतिविधियों का समन्वय सहायक प्रबंधक (जन स्वास्थ्य), श्री रसानंद प्रधान ने किया। संयंत्र में, सिविल इंजीनियरिंग सर्विसेज

(सीईएस) विभाग ने एसएमएस-1 रैंप के पास एक स्वच्छता गतिविधि की। गतिविधि में पहचाने गए क्षेत्र की सफाई और अपशिष्ट और अवांछित सामग्रियों को हटाना शामिल था, जो एक स्वच्छ और सुरक्षित कार्यस्थल वातावरण में योगदान देता है। गतिविधियों की श्रृंखला स्वच्छता और साफ-सफाई के प्रति आरएसपी की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है और स्वच्छ, स्वस्थ और टिकाऊ परिवेश बनाने में सामूहिक भागीदारी के महत्व को रेखांकित करती है।



भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में शामिल हों
JOIN INDIAN ARMY AS AN OFFICER
www.joinindianarmy.nic.in



कमीशन अधिकारी

10+2 टेक्निकल एंट्री स्कीम (TES) - 57 कोर्स (जुलाई 2027) के लिए आवेदनों का स्वागत किया जाता है। ऑनलाइन आवेदन www.joinindianarmy.nic.in पर 14 अक्टूबर 2026 से 12 नवंबर 2026 तक खुलेगा। TES-57 कोर्स के लिए JEE Mains 2026 अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त कक्षा 12 में PCM (भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित) में न्यूनतम 60% अंक होना चाहिए।

COMMISSIONED OFFICER

Applications are invited for 10+2 TES-57 course (Jul 2027). Online application will open on www.joinindianarmy.nic.in from **14 Oct 2026 to 12 Nov 2026**. JEE (Mains) 2026 is mandatory for TES-57 course. This is in addition to the criteria of minimum 60% marks in PCM (physics, chemistry and mathematics) in class 12th.

नोट :

- सेना में भर्ती पूर्णतया पारदर्शी और मुफ्त है। दलालों से सावधान रहें।
- विस्तृत नोटिफिकेशन के लिये कृपया www.joinindianarmy.nic.in पर जाएं।

Note:

- Recruitment in the Army is totally transparent and free. Beware of touts.
- For detailed Notification, please visit www.joinindianarmy.nic.in



CBC 10601/11/0032/2627